सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

सम्पादक-मधुसूदन शर्मा
सह सम्पादक-बृजेश कुमार शर्मा

वर्ष -२ अंक -४९ सोमवार -०९/०६/२०२५ पृष्ठ - ४ प्रति सोमवार डीजिटल संस्करण

सम्पादकीय

आतंक पर जीरो टॉलरेंस

आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में दुनिया को बताने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का सरकार का फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण है इसका विवादों में घिर जाना। देश की सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति किसी के हित में नहीं है। पाक को घेरने की नीतिरू पहलगाम में आतंकियों की नृशंसता के बावजूद जवाब देते हुए भारत ने जिस तरह संयम बरता, उसकी तारीफ सभी कर रहे हैं। पाकिस्तान की तरफ से उकसावे वाले कदमों के बाद भी भारत की प्रतिक्रिया सधी, सटीक और नियंत्रित रही। हिंदुस्तान ने पाकिस्तान को जवाब ही नहीं दिया, उसकी असलियत भी दुनिया के सामने ला दी है। इस्लामाबाद के बचे हुए सपोर्ट सिस्टम को खत्म करने और भारत की चिंता और स्टैंड से दुनिया को वाकिफ कराने के लिए सरकार की ओर से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भेजे जाएंगे। मकसद पर सवालरू ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों से सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा है। इससे एक अच्छा मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। कहां गई एकजुटतारू कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए। कांग्रेस का आरोप है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर बीजेपी ओछी राजनीति कर रही है। वहीं, बीजेपी ने कांग्रेस के भेजे नामों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह तस्वीर उससे बिल्कुल अलग है, जब सारे दल आतंकवाद के खिलाफ जंग में एकजुट नजर आ रहे थे। विवाद नहीं, संवाद चाहिए- थरूर पहले संयुक्त राष्ट्र में काम कर चुके हैं, विदेश राज्य मंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से डेलिगेशन को मिलेगा। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था।

दस फायर बिग्रेड ने , छ:घण्टे में , कटनी मे प्लास्टिक बैग बनाने वाली , चार फैक्ट्रियाँ की आग पर पाया काबु ।

कारखाने में प्लास्टिक के बैग , थैले , थर्माकोल आदि था । यहा भारी मात्रा में ज्वलनशील था ।

कटनी जिले के कुठला थाना क्षेत्र के इंडस्ट्रियल इलाके लमतरा में शनिवार शाम साढ़े 5 बजे सुभाष एंड कंपनी के प्लास्टिक गोदाम में आग लग गई। इससे थर्माकोल फैक्ट्री समेत चार कंपनियां जल चुकी हैं। इनमें प्लास्टिक के बैग, थैले, थर्माकोल का निर्माण किया जाता था।

10 दमकल ने करीब 6 घंटे बाद रात 11 बजकर 15 मिनट पर आग पर काबू पाया। कलेक्टर-एसपी मौके पर मौजूद रहे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, देर शाम गोदाम से आग की लपटें निकलनी शुरू हुईं।

गोदाम में प्लास्टिक की बोरियों और बैग्स का भारी स्टॉक था। तेज हवा के कारण आग की लपटें तेजी से फैलीं। कुछ ही मिनटों में बगल की थर्माकोल फैक्ट्री तक पहुंच गईं। थर्माकोल के ज्वलनशील होने के कारण आग और तेज हो गई।

इस घटना से आसमान में दूर तक धुएं का गुबार छा गया।

आग पर काबू पाने के प्रयास जारी घटना की सूचना मिलते ही कुठला पुलिस और दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कटनी नगर निगम और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों से भी दमकल की अतिरिक्त गाड़ियां बुलाई गईं। कुठला थाना प्रभारी राजेंद्र मिश्रा ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

भोपाल के तीन साल के बच्चे का राजिस्थान में अपहरण

भोपाल से राजस्थान के सीकर गए एक 3 साल के बच्चे का अपहरण हो गया। बच्चा अपनी नानी और मां के साथ खाटू श्याम जी के दर्शन करने गया। जैसे ही जयपुर स्टेशन पर पहुंचे, एक युवक उनसे मिला और कहा कि वह भी खाटू श्याम जा रहा है। इसके बाद वह उनके साथ चल दिया। खाटूश्यामजी मंदिर पहुंचने पर युवक ने भीड़ का बहाना बनाया और बच्चे को अपने पास रखकर मां-नानी को दर्शन के लिए भेज दिया। जब दोनों महिलाएं दर्शन करके लौटीं तो न तो बच्चा मिला और न ही वह युवक। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना 6 जून की है। परिवार ने 7 जून को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने क्षेत्र के सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। साथ ही आसपास के इलाकों में भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने लोगों से किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत देने की अपील की है।

बेगलुरू भगदड -

बेंगलुरु भगदड़ केस में रविवार को नया खुलासा हुआ है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, क्ब्च एमएन करिबासवना गौड़ा ने 4 जून को विक्ट्री परेड से पहले राज्य सरकार को लेटर लिखकर चेतावनी दी थी। इसमें उन्होंने कहा था कि त्ब्ठ की फैन फॉलोइंग पूरे देश में है। अगर चिन्नास्वामी स्टेडियम में प्रोग्राम होता है तो लाखों लोग वहां पहुंच सकते हैं। हमारे पास पर्याप्त पुलिस बल नहीं है, जिससे सुरक्षा इंतजाम करना मुश्किल होगा। इस लेटर के सामने आने के बाद सरकार पर सवाल उठ रहे हैं कि जब पहले से ही खतरे की जानकारी थी, तो इतने बड़े आयोजन की इजाजत क्यों दी गई। दरअसल, 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ की वजह से भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 75 लोग घायल हो गए।

महाराष्ट्र चुनाव फिक्सिंग के आरोप पर ईसी का जवाब ,हमने कॉंग्रेस को बुलाया था ,वो वक्त माँगने लगे

इलेक्शन कमिशन का दावा राहुल ने हमें कोई खत नही लिखा।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पिछले साल नवंबर में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में धांधली के आरोप लगाने के 24 घंटे बाद भी चुनाव आयोग को कोई पत्र नहीं लिखा है। न ही बैठक के लिए समय मांगा है। यह बात चुनाव आयोग से जुड़े एक सोर्स ने न्यूज एजेंसी को बताई। चुनाव आयोग ने कहा कि राहुल एक तरफ कहत` हैं कि उनके बताए मुद्दे गंभीर हैं, लेकिन जब उन्हें चुनाव गंभीर हैं, लेकिन जब उन्हें चुनाव आयोग को लेटर लिखने की बात आती है, तो वे कतराते हैं। सूत्र के मुताबिक, प्रक्रिया के अनुसार कोई भी संवैधानिक संस्था औपचारिक रूप से तभी जवाब दे सकती है, जब राहुल गांधी से लेटर लिखेंगे। राहुल ने 7 जून इंडियन एक्सप्रेस को एक आर्टिकल लिखा था। इसमें उन्होंने दावा किया था था कि महाराष्ट्र चुनाव में मैच फिक्सिंग हुई, अब इसी तरह की फिक्सिंग बिहार चुनाव में भी होगी।

ग्रहमंत्री अमित शाह का स्टालिन सरकार पर 4600 करोड का खनन घोटाले का आरोप ।

मेरे पास इनके भ्रष्टाचार की लम्बी सुची है

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि मेरे पास स्टालिन सरकार के भ्रष्टाचार की लंबी सूची, इन्होंने 4600 करोड़ का रेत खनन घोटाला किया। लेकिन मैं उन पर बात करके समय बर्बाद नहीं करना चाहता। इन्होंने 4600 करोड़ रुपए के अवैध रेत खनन घोटाले का आरोप भी है, जिसका असर सीधे राज्य के गरीबों पर पड़ा और उन्हें महंगी रेत खरीदनी पड़ी, ताकि पार्टी लाभ कमा सके। तमिलनाडु के मदुरै में बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने मदुरै को परिवर्तन की धरती बताया और कहा कि यह कार्यकर्ता सम्मेलन क्डड्ढ सरकार को हटाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। शाह ने दावा किया कि साल 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों में छक्। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों में सरकार बनाएगी। शाह ने कहा - पिछले चार साल में डीएमके ने भ्रष्टाचार की हर हद पार कर दी है। अमित शाह ने कहा कि केंद्र ने जो 450 करोड़ की पोषण किटें भेजीं, उन्हें निजी कंपनी को देकर गरीबों को खाना तक नहीं मिलने दिया।

मणिपुर में प्रदार्शन करने वालो ने खुद पर डाला पेट्रोल फिर भडकी हिंसा

मैतेया लीडर की गिरफ्तारी के विरोध में कर रहे थे उग्र प्रदार्शन

मणिपुर में मैतेई संगठन अरम्बाई टेंगोल के नेता कानन सिंह को रविवार को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। उन पर 2023 में हिंसा भड़काने के आरोप है। इनकी गिरफ्तारी की खबर फैलने के बाद शनिवार देर रात मणिपुर में हिंसा भड़क गई थी। राजधानी इंफाल के कई इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियों में आग लगा दी, सड़कों पर टायर और पुराने फर्नीचर भी जलाए। सुरक्षाबलों पर पथराव किया। प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल डालकर खुद को जलाने की भी कोशिश की। सरकार ने 7 जून की रात 11: 45 बजे से पांच दिनों के लिए 5 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सर्विस सस्पेंड कर दी है। इनमें इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर शामिल हैं। इंफाल ईस्ट और बिष्णुपुर में कर्फ्यू भी लगाया गया है। 3 मई 2023 को कुकी-मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष शुरू हुआ था, जो आज भी जारी है। इन दो सालों में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं।

डिजीटल संस्करण
https://sbpatra.in
पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र (समाचार पत्र)

https//:sbpatra.in

पर डिजिटल संस्करण उपलब्ध

YouTube

SWATANTRA BODDHIK PATRA

खबरों के लिए लोगिंन करे !

https://sbpatra.in/

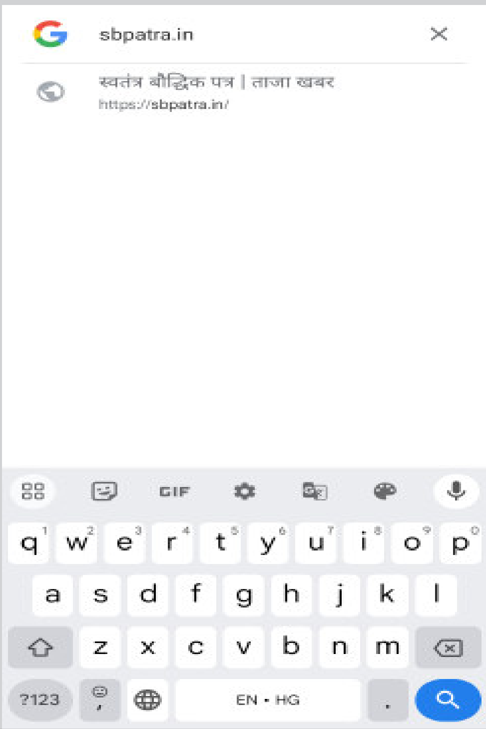

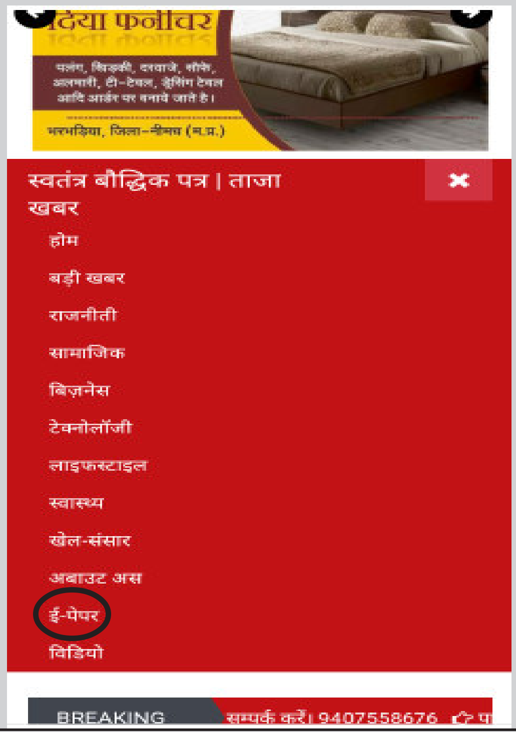

(1)	(2)	(3)	(4)
गुगल सर्च करे - https://sbpatra.in/	होम पेज पर केटेगिरी मे जाए	ई-पेपर केटेगिरी चुने	समाचार पत्र आपके सामने क्लिक करे !

नि:शुल्क ई-पेपर प्रति सोमवार को वेब पोर्टल

https://sbpatra.in/

से डाउनलोड कर सकते है।

कम्युनिस्ट पार्टी से जुडे होने की शंका पर , अमेरिका बडे पैमाने पर चीनी छात्रों का वीजा रद्द करेंगा , विदेश मंत्री ने देश की सुरक्षा के लिए जरूरी बताया ।

अमेरिका का दावा चीन बच्चो के जरिए संवेदनशील जानकारी हासिल कर रहा ,इसलिए देशहित में यह कदम जरूरी ।

अमेरिका ने चीनी छात्रों के वीजा को बड़े पैमाने पर रद्द करने की घोषणा की है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि विदेश मंत्रालय, गृह सुरक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर यह काम करेगा। रुबियो ने बताया कि ऐसे चीनी छात्रों का वीजा रद्द किया जाएगा, जिनका चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से संबंध है या जो टेक्निकल फिल्ड में पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ष्हम भविष्य में चीन और हॉन्गकॉन्ग से आने वाले वीजा आवेदनों की जांच को और सख्त करेंगे। अमेरिका का दावा है कि यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। ब्च छात्रों के जरिए संवेदनशील जानकारी हासिल कर सकता है। यह कदम अमेरिका में चीनी छात्रों की संख्या को कम करेगा।

चीन ने इसपर कड़ा विरोध जताया है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा– अमेरिका ने विचारधारा और राष्ट्रीय अधिकारोके नाम पर चीनी छात्रों के वीजा को गलत तरीके से रद्द किया है। इससे अमेरिका की छवि और विश्वसनीयता को और नुकसान पहुंचेगा। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब अमेरिकी सरकार ने विदेशी छात्रों के लिए नए वीजा इंटरव्यू पर रोक लगा दी है। वहीं, जापानी सरकार ने देश के यूनिवर्सिटीज से अमेरिका से वापस आने वाले छात्रों को एडमिशन देने पर विचार करने को कहा है।

सत्य का ब्रह्मास्त्र
स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

पाक से सिर्फ पीओके खाली करने पर चर्चा होगी , हमारा स्टैण्ड क्लियर आतंकवाद ओर बातचीत साथ नही ।

विदेश मंत्रालय ने प्रेस कोम्फ्रेन्स कर विभिन्न मुद्दो पर जानकारी दी।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को भारत–पाकिस्तान तनाव, अमेरिकी टैरिफ और वीजा और बांग्लादेश समेत कई मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पाकिस्तान को लेकर उन्होंने कहा कि हमारा रवैया साफ है कि आतंकवाद और बातचीत साथ नहीं चल सकती। भारत ने कुछ साल पहले आतंकियों की एक लिस्ट पाकिस्तान को सौंपी थी। उन सभी आतंकियों को हमारे हवाले करे। च्वज्ञ पर उन्होंने अवैध कब्जा कर रखा है। हम इस पर से पाकिस्तान के कब्जा हटाने के बारे में बात करेंगे। पाकिस्तान में आतंकियों के सम्मान के सवाल पर उन्होंने कहा कि वहां आतंकियों को माला पहनाना, उनकी सराहना करना नई बात नहीं है। पाकिस्तान आतंकवाद का ग्लोबल सेंटर है यह दुनिया भी समझती है। अगर पाकिस्तान में आतंकी खुले मंच से भारत विरोधी बयान दे रहे हैं तो इसमें हैरानी की कोई बात नहीं है।

स्विीट्जरलैंड में आल्प्स पर्वत का ग्लेशियर टुटने से लैंडस्लाईड, पास के गाँव बर्फ ओर कीचड के सैलाब में दबा ।

ग्लेश्यिार का 15 लाख क्यूबिक मीटर हिस्सा टूटने की चेतावनी ।

स्विट्जरलैंड में आल्प्स पर्वत का ग्लेशियर टूटने से लैंडस्लाइडरूपास का गांव बर्फ और कीचड़ के सैलाब में दबा, 300 लोगों को निकाला जियोलॉजिस्ट ने ग्लेशियर के 15 लाख क्यूबिक मीटर हिस्सा टूटने की चेतावनी दी थी। स्विट्जरलैंड में बुधवार को स्विस आल्प्स पर्वत का एक ग्लेशियर के टूटने से भयानक लैंडस्लाइड हुआ। ग्लेशियर से बर्फ, कीचड़ और चट्टानों का सैलाब उठ, जिससे लोत्सचेंटल घाटी के पास मौजूद ब्लैटन का अल्पाइन गांव बह गया। गांव का लगभग 90ः हिस्सा बर्फ में दबकर तबाह हो गया है। रॉयटर्स के मुताबिक, इस महीने की शुरुआत में जियोलॉजिस्ट ने ग्लेशियर के टूटने की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि ग्लेशियर का 15 लाख क्यूबिक मीटर हिस्सा टूट सकता है। इसके बाद इलाके से 300 लोगों और मवेशियों को सुरक्षित निकाल लिया गया था।

299 बच्चो के शोषण व रेप का आरोपी फ्रांसीसी डॉक्टर , दो पीडितों ने खुदकुशी की ।

कोर्ट ने 20 साल की सजा सुनाई , भतीजी से भी किया दुष्कर्म

फ्रांस में एक डॉक्टर को 299 बच्चों के यौन शोषण और रेप के मामले में दोषी ठहराया गया है। क्रिमिनल कोर्ट ने दोषी डॉक्टर को बुधवार को 20 साल की सजा सुनाई। यह फ्रांस के इतिहास में बच्चों के यौन शोषण का सबसे बड़ा मामला है। इस केस की सुनवाई फरवरी 2025 से चल रही थी। दोषी डॉक्टर जोएल ले स्कॉरनेक (74) पहले एक गैस्ट्रिक सर्जन था। उसने 1989 से 2014 तक फ्रांस के 9 क्लिनिक और हॉस्पिटल में काम करते हुए यौन शोषण की घटनाओं को अंजाम दिया। इस खबर के सामने आने के बाद 2 पीड़ितों ने तनाव में आत्महत्या कर ली। जिस वक्त इन घटनाओं को अंजाम दिया गया, कई पीड़ित बेहोश थे याद्द दवा के असर में ऑपरेशन से उबर रहे थे। इसलिए उन्हें कुछ याद नहीं था। आरोपी ने सबसे पहले 1985 में अपनी 5 साल की भतीजी का यौन शोषण किया था। आरोपी डॉक्टर अपनी दो भतीजी समेत 4 बच्चों के साथ बलात्कार के मामले में पहले से 15 साल की सजा काट रहा है। उसे इस केस में 2020 में सजा सुनाई गई थी।

तालिबान-पाक में फिर विवाद ,ढाई लाख लोगो को घर छोडने के आदेश

अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में स्थित बहराम चह, जो पाकिस्तान के चगई जिले से सटा एक सीमावर्ती कस्बा है, फिर सशस्त्र संघर्ष का केंद्र बन गया है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और तालिबान के बीच तीन फरवरी से शुरू हुई झड़पें अब तेज हो चुकी हैं। हालिया विवाद तब शुरू हुआ, जब तालिबान ने अपनी सीमा को सुरक्षित करने के लिए नई चौकी बनाने की कोशिश की। इसे पाकिस्तानी बलाने समझौते का उल्लंघन बताते हुए गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में, तालिबान ने पाकिस्तान के चेकपोस्ट पर हमला बोला। मोर्टार दागने से चेकपोस्ट ध्वस्त हो गया। इस बढ़ते संघर्ष के चलते चगई जिले के ढाई लाख से ज्यादा लोगों को पाक की शहबाज सरकार ने तत्काल घर छोड़ने का आदेश घदिया है।इस स्थिति ने पहले से ही कटु पाक–अफगान संबंधों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है।

पाक पीएम ने फिर भारत से बातचीत की इच्छा जाताई , शहबाज बोले दोनो देश कश्मीर ,पानी ,अंतकवाद का मुद्दा हल करे ।

इससे पहले शहबाज ने ईरान दौरे पर भी भारत से बातचीन की ईच्छा जताई

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को कहा कि वह भारत के साथ बातचीत करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को मिलकर कश्मीर, पानी और आतंकवाद जैसे मुद्दों को हल करना चाहिए। शरीफ ने यह बात अजरबैजान के लाचिन में पाकिस्तान–तुर्की–अजरबैजान त्रिपक्षीय समिट में कही। यह एक हफ्ते में दूसरी बार है जब पाकिस्तानी पीएम ने भारत से बातचीत की इच्छा जताई है। इससे पहले उन्होंने सोमवार को ईरान दौरे पर भी भारत से बातचीत की इच्छा जताई थी। शरीफ 25 से 30 मई तक चार देशों के दौरे पर हैं। इससे पहले वो तुर्किये और ईरान जा चुके हैं। आज वो ताजिकिस्तान पहुंचेंगे। यहां वो राजधानी दुशान्बे में ग्लेशियर्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी शामिल होंगे।

शरीफ ने अजरबैजान के लाचिन में कहा– हमें शांति के लिए एक साथ बैठकर बात करनी चाहिए। कुछ मुद्दों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है और इन्हें बातचीत से हल करना होगा। उन्होंने कश्मीर का जिक्र करते हुए कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छाओं के मुताबिक हल होना चाहिए। हालांकि भारत पहले ही साफ कर चुका है कि वह पाकिस्तान से सिर्फ च्वज्ञ की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा।

अमेरिकी कोर्ट ने ट्रम्प के टैरिफ पर रोक लगाई ।

राष्ट्रपति अधिकार क्षैत्र से आगे बढ रहे रहे ।

2 अप्रैल 2025 को ट्रम्प ने 'लिबरेशन डे' का नाम देते हुए दुनिया भर के 100 से ज्यादा देशों से आने वाले सामान पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ को फेडरल ट्रेड कोर्ट ने असंवैधानिक करार देते हुए रोक लगा दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि ट्रम्प ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया और संविधान के दायरे से बाहर जाकर ये टैरिफ लगाने की कोशिश की। मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने ट्रम्प के इस कदम को गैर–कानूनी ठहराया। कोर्ट के तीन जजों की बेंच ने कहा कि ट्रम्प ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट का गलत इस्तेमाल किया। ये कानून राष्ट्रपति को आपातकाल में कुछ खास शक्तियां देता है, लेकिन कोर्ट ने माना कि ट्रम्प ने इसे बिना ठोस आधार के इस्तेमाल किया।

कोर्ट ने ये भी कहा – राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर ट्रेड पार्टनर्स से इंपोर्ट पर बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाया है। अमेरिकी संविधान संसद को दूसरे देशों के साथ केवल व्यापार को रेगुलेट करने का विशेषाधिकार देता है। इसका मतलब यह नहीं कि राष्ट्रपति इकोनॉमी का हवाला देकर अपने इमरजेंसी पावर से कुछ भी करें।

नेतन्याहू ने हमास लीडर को मारने का दाव किया ।

एयर स्ट्राईक में मोहम्मद सिनवार मारा गया ।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि 14 मई को इजराइली आर्मी के हमले में हमास का सीनियर लीडर मोहम्मद सिनवार मारा गया है। मोहम्मद सिनवार का बड़ा भाई याह्या सिनवार हमास का हेड और अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हुए हमलों का मास्टरमाइंड था। उसकी पिछले साल इजराइली हमले में मौत हो गई थी। इजराइली संसद में बोलते हुए नेतन्याहू ने कहा कि मोहम्मद सिनवार उन लोगों की लिस्ट में शामिल था जिन्होंने 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल में हमला किया था। खान यूनिस का वह इलाका जहां 14 मई को इजराइल ने यूरोपियन हॉस्पिटल के नीचे एक सुरंग पर हमला किया था। खान यूनिस का वह इलाका जहां 14 मई को इजराइल ने यूरोपियन हॉस्पिटल के नीचे एक सुरंग पर हमला किया था। गाजा में हॉस्पिटल के नीचे सुरंग में छिपा था

खबरों के लिए लोगिंग करे

https://sbpatra.in/

स्वत्वाधिकार सम्पादक प्रकाशक मधुसूदन शर्मा / डिजिटल संस्करण प्रति सोमवार स्वतंत्र बौद्धिक पत्र समाचार पत्र की आधिकारीक बेवसाइट https://sbpatra.in/ पर उपलब्ध है। अन्य वेब या डिजिटल माध्यमों पर इसे प्रकाशित या इस नाम से , अन्य सामग्री जैसे समाचार पत्र प्रकाशन या इस नाम से कोइ वेब डोमेन खरीदना , दण्डनीय अपराध होगा ,ऐसा करने पर वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है । - सम्पादक मधुसूदन शर्मा